जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/jk/01 E-Newsletter, Issued in Public Interest सोमवार, 24 फरवरी 2020

आखिर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो क्यों पनपने दे रहा है नगर निगम में भ्रष्टाचार की फुलवारी?

भ्रष्टाचार का उद्यान पिछले साल जून से अगस्त के बीच एक ही फर्म से दोगुने भाव पर खरीदते रहे फूल-मालाएं

निगम की उद्यान शाखा ने 50 कार्यक्रमों में पहनाईं 10 लाख की माला, अतिथि 10 थे, मालाएं 800 खरीदी, भ्रष्टाचार के 5 केसों की जांच पहले से चल रही

भास्कर ने जिम्मेदारों से पूछा तो बोले- हमें पता ही नहीं, अगर ऐसा हुआ है तो जांच करवाएंगे

ओमप्रकाश शर्मा | जयपुर

नगर निगम की उद्यान शाखा में कर्मचारी-अफसरों के घोटालों के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद भ्रष्टाचार का यह उद्यान खूब फल-फूल रहा है। स्वागत कार्यक्रम के नाम पर ही निगम अफसर लाखों रुपए डकार गए। तीन माह में निगम ने विकास कार्यों के उद्घाटन, शिलान्यास समेत अन्य छोटे-मोटे अवसरों पर 10 लाख रु. से ज्यादा की फूल-मालाएं अफसरों व अतिथियों को पहना दी। हैरत की बात यह है कि सारी मालाएं एक ही जगह फ्लोरिना एंटरप्राईजेज फर्म से खरीदी गई। वह भी बाजार से दोगुने भाव पर। उद्यान शाखा के अधिकारियों ने फर्म के 5.94 लाख रु. के बिल और इसमें से 4.33 लाख रु. के भुगतान को मंजूरी भी दे दी है। कई कार्यक्रमों में अतिथियों की संख्या 5 से 10 ही थी, लेकिन 800 मालाओं की खरीद दिखाई है।

मेयर ने कचरा संग्रहण के ट्रकों को सिर्फ हरी झंडी दिखाई... निगम ने 700 मालाएं व 20 किलो गुलाब उड़ेल दिए

निगम के विकास कार्यों के शिलान्यास, उद्घाटन, वाहनों को हरी झंडी दिखाने, अफसर-कर्मचारियों के रिटायरमेंट के अवसर पर, पार्षद कार्यालय के उद्घाटन समारोह में, बधाई कार्यक्रम और जोन स्तर पर हुई महापौर के जनसुनवाई कार्यक्रम और स्वतंत्रता दिवस पर जोन कार्यालय स्तर पर हुए कार्यक्रमों में फूल-माला खरीद गई थी। **यानी कुल 50 अवसरों पर निगम ने इस फर्म से फूल-मालाएं खरीदी।** इन कार्यक्रमों में अतिथियों की संख्या 5 से 10 के बीच थी, जबकि अतिथियों को पहनाने के लिए 100 से 800 तक फूलमालाएं फर्म से खरीदी गई। अगस्त 2019 में महापौर ने कचरे का संग्रहण करने के ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस अवसर पर उद्यान शाखा ने 700 से ज्यादा मालाओं व 20 किलो से ज्यादा गुलाब के फूलों की खरीद की थी। कार्यक्रम में महापौर के साथ 5 से ज्यादा पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद नहीं थे।

भ्रष्टाचारियों को गुलाब, हजारे, मोगरा व नौरंगा से कम कुछ पसंद नहीं

निगम ने पिछले साल 1 जून से 15 अगस्त तक फर्म से 35 किलो गुलाब की पत्ती, 6400 हरी पत्तों की माला, 235 गुलाब की माला, 5600 हजारे की माला, 7690 हजारे के गजरे, 610 गुलाब के गजरे, 635 नौरंगा की माला मीडियम, 1395 नौरंगा के गजरे, 630 फूलों के बंच, 77 स्पेशल बास्केट, 7500 रोज स्टीक व 997 मोगरा के गजरे की खरीद की।

सलाहकार पर एसीबी में केस, फिर भी रिटायरमेंट के बाद नियुक्ति दी

उद्यान शाखा में उपायुक्त के पद पर पहले बद्री प्रसाद शर्मा थे। बद्री चार माह पहले रिटायर हो चुके हैं, लेकिन रसूख के चलते बद्री रिटायरमेंट के बाद फिर से उद्यान शाखा में सलाहकार के पद पर नियुक्ति लेने में कामयाब हो गए। बद्री के खिलाफ एसीबी में पहले से कई मामले चल रहे हैं। ऐसे में बद्री को सलाहकार बनाए जाने पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। एसीबी में निगम की उद्यान शाखा के भ्रष्टाचार के 5 से ज्यादा पहले ही पेंडिंग हैं।

जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे

दो माह में इतनी संख्या में फूल-माला खरीदने की जानकारी नहीं है। अगर ऐसा हुआ है तो गंभीर मामला है। इसकी जांच करवाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- अरुण गर्ग, अतिरिक्त मुख्य आयुक्त, नगर निगम

दिनांक 22/02/2020 को प्रकाशित खबर

इस खबर को प्रमुखता से उठाने के लिए दैनिक भास्कर का धन्यवाद

जिम्मेदार कौन?

जवाब मांगते सवाल?

1. दैनिक भास्कर द्वारा इस मामले का खुलासा करने के बाद जिम्मेदार विभाग ने क्या कार्यवाही की?
2. समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के अनुसार नगर निगम के अतिरिक्त मुख्य आयुक्त श्री अरुण गर्ग ने जांच करवाने का आश्वासन दिया था,क्या वाकई इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जा रही है?
3. इस पूरे मामले में भ्रष्ट अधिकारी बद्री प्रसाद शर्मा की क्या भूमिका है?उसके इस सिंडिकेट में और कौन कौन अधिकारी/कर्मचारी शामिल है?
4. बद्री प्रसाद शर्मा और फ्लोरिना इंटरप्राइजेज के बीच में क्या आपसी लेनदेन है?जिसके कारण उसी से हर बार माल खरीदा गया है?
5. वर्ष 2014 में फर्जी तरीके से बिल पास करने और पार्कों में काम नहीं होनेके बावजूद भुगतान उठाने के मामले में एसीबी द्वारा बद्री प्रसाद शर्मा को आरोपी बनाया गया था उसके बावजूद इस भ्रष्ट अधिकारी को सेवा निवृति के बाद भी उद्यान सलाहकार क्यों बनाया गया?
6. क्या इस भ्रष्ट अधिकारी बद्री प्रसाद शर्मा को उद्यान सलाहकार बनाने से पहले सरकार से राय ली गयी थी?
7. एसीबी ने नगर निगम की उद्यान शाखा पर वर्ष 2014 और वर्ष 2018 में दो बार कार्यवाही की गयी थी,इन मामलों में कितनी वित्तीय अनियमितताएं सामने आई?
8. पांच साल बाद भी एसीबी ने जांच शुरू क्यों नहीं की?क्यों भ्रष्टाचारी खुलेआम घूम रहे है?

नगर निगम में भ्रष्टाचार की उद्यान शाखा

एसीबी ने 6 साल पहले घोटाले के 5 मुकदमे दर्ज किए, पर कार्रवाई नहीं

डेढ़ साल पहले फिर से शिकायत होने पर एसीबी ने फाइलें जब्त तो की, लेकिन कार्रवाई नहीं की

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

नगर निगम उद्यान शाखा में शहर के पार्कों के रख-रखाव के टैंडर, काम-काज और ठेकेदारों को भुगतान करने पर अकसर अनियमितताएं सामने आती है। लेकिन जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ पिछले पांच साल में कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक की एसीबी के अधिकारियों ने भी केवल मुकदमे दर्ज करके या छापेमारी करके फाइल जब्त करने के बाद अनुसंधान करके कार्रवाई करने के बजाए खानापूर्ति कर दी।

खास बात यह है कि जब भी निगम की उद्यान शाखा में गड़बड़ियां मिली। तब उद्यान शाखा की जिम्मेदारी बद्री प्रसाद शर्मा के पास थी। लेकिन बद्री प्रसाद शर्मा के खिलाफ ना तो निगम के अधिकारी कार्रवाई कर पाए है और ना ही एसीबी के अधिकारी। ऐसे में कई सवाल खड़े होने लगे है। बद्री प्रसाद शर्मा को रिटायमेंट के बाद भी इनाम में उद्यान सलाहकार के पद पर नियुक्ति दे दी और शाखा का अतिरिक्त कार्यभार विद्याधर जोन उपायुक्त प्रियव्रत सिंह चारण को सौंप दिया। प्रियव्रत सिंह केवल जोन में ही व्यस्त रहते है और मॉनिटरिंग अभी बद्री प्रसाद शर्मा द्वारा ही की जा रही है।

2014 में 5 मुकदमे दर्ज हुए, जांच तक शुरू नहीं की

पड़ताल में सामने आया कि उद्यान शाखा में वर्ष 2014 में फर्जी तरीके से बिल पास करने और पार्कों में काम नहीं होने के बावजूद भुगतान उठाने के मामले में एसीबी ने पांच मुकदमे दर्ज किए थे। पांचों मुकदमों में तब एसीबी के अधिकारियों ने बद्री प्रसाद शर्मा को आरोपी बनाया था। लेकिन मुकदमे दर्ज होने के बाद अभी तक एसीबी के अधिकारियों ने अनुसंधान शुरू नहीं किया।

2018 में शिकायत, उद्यान शाखा में फिर एसीबी छापे

अगस्त 2018 में नगर निगम की उद्यान शाखा समेत अन्य विंग में एसीबी को वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिली थी। तब एसीबी के अधिकारियों ने निगम में छापे मारकर कार्रवाई की थी। जांच के लिए एसीबी के अधिकारियों ने उद्यान शाखा से 250 के करीब फाइले जब्त की थी। लेकिन एसीबी के अधिकारी आज तक उन फाइलों की जांच करके तय नहीं कर पाए कि आखिर कितनी राशि की वित्तीय अनियमितताएं हुई थी।

दिनांक 23/02/2020 को प्रकाशित खबर